



प्रोफेसर डॉ. हरेन्द्र सिंह

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा “शिक्षक श्री सम्मान” पुरस्कार से सम्मानित)

M.A. M.Ed., M. Phil, Ph. D. (Edn.), LL. M, D. Litt. (Edn.)

MBA, PGDRM, MJMC, ADRL, CCG, PAD Russian

LEAP (NIEPA, India & University of Oxford, England)

स्थायी आवास : ग्राम व डाक नानपुर, जिला हापुड़, उत्तर प्रदेश, पिन-245205

पत्राचार का पता : 778(बी)/ 7 जागृति विहार, मेरठ-250004, उत्तर प्रदेश

Email: harendra_2k@yahoo.com

Contact No. 9837473938

प्रोफेसर डॉ. हरेन्द्र सिंह, 2007 से शिक्षाशास्त्र के प्रोफेसर हैं। उन्होंने शिक्षाशास्त्र में पीएच. डी., डी.लिट. व एम.फिल. सहित प्रबन्धन, पत्रकारिता, अर्थशास्त्र, हिन्दी, राजनीतिशास्त्र, मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र, व विधि शास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि के साथ-साथ ग्रामीण प्रबन्धन में पोस्ट डिप्लोमा सहित रूसी भाषा में पी.ए.डी. की उपाधि भी प्राप्त की है। उनको उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उच्च स्तर पर राज्य स्तरीय पुरस्कार ‘शिक्षक श्री सम्मान’ प्रदान किया गया था, इसके अतिरिक्त उन्होंने 16 अन्य पुरस्कार भी प्राप्त किये हैं, साथ ही उनके 3 पेटेंट भी प्रकाशित हो चुके हैं। वर्तमान में प्रोफेसर डॉ. हरेन्द्र सिंह चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से सम्बद्ध डी.पी.एम. इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन के निदेशक/प्राचार्य और शिक्षाशास्त्र के प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें 30 से भी अधिक वर्षों का शिक्षण, शोध एवं शैक्षिक प्रशासन का अनुभव है। वे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की एक प्रमुख शोध परियोजना से भी जुड़े रहे हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश और राजस्थान आदि विभिन्न राज्यों में शिक्षण कार्य किया है। डॉ. सिंह ने 400 से भी अधिक राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, कार्यशालाओं तथा संगोष्ठियों आदि में भाग लिया है तथा विभिन्न विषयों पर 390 से अधिक व्याख्यान आमंत्रित वक्ता, अतिथि वक्ता, मुख्य वक्ता, आदि के रूप में दिए हैं। उन्हें राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार एवं सम्मलेन आयोजित कराने का भी अनुभव है। राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में उनके 175 से अधिक शोध पत्र व आलेख प्रकाशित हुए हैं साथ ही लेखक व सह लेखक के रूप में उनकी 25 पुस्तकें और सम्पादित पुस्तकों में उनके द्वारा लिखित 10 से अधिक अध्याय भी प्रकाशित हैं। वह 5 शोध पत्रिकाओं के मुख्य कार्यकारी सम्पादक हैं जिसमें से 2 अन्तर्राष्ट्रीय और 3 राष्ट्रीय स्तर की हैं। वे कई अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं के सम्पादक मण्डल के सदस्य होने के साथ-साथ उनको गाँधी पीस फाउंडेशन (नेपाल) के शांति दूत तथा डायरेक्टरेट इंटरनेशनल संयुक्त राज्य अमेरिका के फैलो के रूप में भी नियुक्त किया गया है।

प्रोफेसर डॉ. हरेन्द्र सिंह ने 90 शोधार्थियोंको अपने मार्गदर्शन में शोध कराया है। उन्होंने शैक्षिक उद्देश्यों के लिए इंग्लैंड, सिंगापुर, श्रीलंका, थाईलैंड और नेपाल का शैक्षिक भ्रमण किया है। अकादमिक शैक्षिक नेतृत्व हेतु भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (वर्तमान शिक्षा मंत्रालय) के प्लैगशिप कार्यक्रम के अंतर्गत इन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय इंग्लैंड से सीनियर एकेडमिक लीडरशिप प्रोग्राम (LEAP) पूरा किया है। साथ ही इन्होंने भारत सरकार के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत शैक्षणिक नेतृत्व और शिक्षा प्रबंधन हेतु महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय वर्धा व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में अकादमिक नेतृत्व का प्रशिक्षण कार्यक्रम भी पूरा किया है तथा भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा भारतीय ज्ञान प्रणाली से सम्बंधित प्रशिक्षण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानव संसाधन विकास केन्द्र (यू.जी.सी.-एच.आर.डी.सी.) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी से किया है। वर्तमान में प्रोफेसर डॉ. हरेन्द्र सिंह, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के उत्तराखण्ड, ब्रज, व पश्चिम उत्तर प्रदेश के क्षेत्र संयोजक (शिक्षक शिक्षा) व मेरठ प्रान्त के पालक, नरेन्द्र मोदी अध्ययन केन्द्र के वैश्विक सलाहकार और भारतीय शिक्षण मंडल, भारतीय प्रज्ञा परिषद प्रज्ञा प्रवाह, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, इंडियन एसोसिएशन ऑफ टीचर्स एजुकेटर्स, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, इंडियन सोशल साइंस एसोसिएशन, ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ टीचर्स एजुकेटर्स, इंडियन पोलिटिकल साइंस एसोसिएशन, ग्लोबल एजुकेशनल रिसर्च एसोसिएशन, कम्परेटिव एजुकेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया आदि के सदस्य भी हैं। इसके अतिरिक्त वे राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् व राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की पर्यवेक्षकीय टीम के सदस्य, राष्ट्रीय शिक्षाविद परिषद के अध्यक्ष, विश्व शांति आन्दोलन न्यास के सदस्य, अन्तर्राष्ट्रीय प्रत्यायन संगठन संयुक्त राज्य अमेरिका के मूल्यांकन आयोग व गाँधी पीस फाउंडेशन नेपाल के सदस्य सहित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय इंग्लैंड के कार्यकारी पूर्व छात्र भी हैं।

उच्च शिक्षा में नेतृत्व करने के लिए उनमें उच्च कोटि की सत्यनिष्ठा, सक्षमता, नैतिकता, संस्थान के प्रति वचनबद्धता, जिज्ञासा, जूनून, फोकस, नेटवर्क, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, दूरदर्शिता और जोखिम लेना आदि सभी गुण मौजूद हैं। वे एक विद्वान शिक्षाविद हैं, जिन्होंने शैक्षणिक उपलब्धियों से बहुमुखी प्रतिभा हासिल की है। उनके ज्ञान क्षितिज की कल्पना उनकी शैक्षणिक योग्यताओं से की जा सकती है जोकि उन्होंने विभिन्न विषयों में हासिल की है तथा यह उनकी ज्ञान पिपासा की दृष्टि को दर्शाता है। मजबूत शैक्षणिक, शिक्षण, प्रशासन शिक्षण और अनुसंधान की पृष्ठभूमि के अतिरिक्त उनके पास कई उच्च शिक्षा संस्थानों में आगे बढ़कर नेतृत्व करने वाले संस्थान निर्माण और प्रशासन का दीर्घकालिक अनुभव है। वह डी.लिट. की उच्चतम शोध उपाधि के साथ एक उत्कृष्ट शोधकर्ता हैं तथा बड़ी संख्या में शोध पत्रों और पुस्तकों के प्रकाशन का श्रेय उन्हें जाता है। विभिन्न विषयों पर शोध करने में उनकी निरंतर संलग्नता अध्ययन के क्षेत्र में उनकी कड़ी मेहनत उनके परिश्रमी स्वाभाव और गंभीरता को दर्शाती है।

उच्च कोटि की सत्यनिष्ठा, सक्षमता, नैतिकता, संस्थान के प्रति वचनबद्धता, दूरदर्शिता, नेतृत्व कौशल, शिक्षण, प्रशासन और अनुसन्धान अनुभव की उनकी बहुविषयक शैक्षिक पृष्ठभूमि उनको एक विश्वविद्यालय या संगठन/आयोग को नवाचार और निर्माण कौशल के साथ उच्च शिक्षा के एक गतिशील बहु-विषयक केंद्र में विकसित करने के लिए एक मजबूत आधार और क्षमता प्रदान करती है। उनके पास संस्थान निर्माण के साथ-साथ प्रशासन में नेतृत्व करने का लम्बा अनुभव भी है।

शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के कारण समाज ने उन्हें एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद के रूप में मान्यता दी है, जो उनके पुरस्कारों एवं प्रशस्ति पत्रों से परिलक्षित होता है। उनका शैक्षिक क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय अनुभव विशेष रूप से ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में भारत सरकार द्वारा आयोजित अकादमिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम में भाग लेना किसी विश्वविद्यालय या आयोग में नेतृत्व की उच्च भूमिका की स्थिति सँभालने की उनकी क्षमता का एक मजबूत प्रमाण है।



Professor Dr. Harendra Singh

("Shikshak Shri" Samman awardee, conferred by The Govt. of U.P.)

M.A. M.Ed., M. Phil, Ph. D. (Edn.), LL.M, D.Litt. (Edn.)

MBA, PGDRM, MJMC, ADRL, CCG, PAD Russian

LEAP (NIEPA, India & University of Oxford, England)

Permanent Address: Village & Post- Nanpur, District- Hapur-245205, U.P.

Postal Address: 778(B)/7, Jagriti Vihar, Meerut-250004, U.P.

Email: harendra_2k@yahoo.com

Contact No. 9837473938

Prof. Dr. Harendra Singh has been a **Professor of Education since 2007** and holds **multiple master's degrees** in Law, Economics, Hindi, Political Science, Psychology, Education, Management, Journalism & Mass Communication, as well as a Post Advanced Diploma in Russian and a Post Graduate Diploma in Rural Management. **He has earned an M.Phil., Ph.D., and D.Litt. in Education. Dr. Singh has been recognized for his contributions to the field of education with the "Shikshak Shri" Samman, the high state-level award in education, awarded by the Government of Uttar Pradesh.** He has also received sixteen other awards for his outstanding contributions to higher education from various organizations, and his **3 Patents** are also published. **Currently, Dr. Singh serves as the Principal/Director and Professor of Education at D.P.M. Institute of Education Behsuma, Ch. Charan Singh University, Meerut. With over 30 years of teaching experience, he has worked in various states, including Jammu & Kashmir, Uttar Pradesh, and Rajasthan.** He has also **been associated with a Major U.G.C. Research Project** and did several Research works. Dr. Singh has actively participated in **more than 400 national and international conferences, seminars, and workshops, delivering over 390 lectures on diverse topics** such as inaugural and valedictory addresses, invited lectures, special lectures, and keynote speeches. He has also organized several national and international seminars and conferences. **He has published 175 research papers** and articles in various international and national research journals, magazines, and newspapers. **His contributions include 25 authored or co-authored books and more than 10 chapters in edited books.** In addition, Dr. Singh is the **Chief Executive Editor of five research journals**, two of which are international and three nationals. He serves as a member of several peer-review teams for national and international journals. Moreover, he has been appointed as a Fellow of the Directorate International in Raleigh, NC, USA, and as a Peace Ambassador of the Gandhi Peace Foundation in Nepal.

He has guided 90 scholars in their research degrees. He has visited the U.K., Singapore, Sri Lanka, Thailand, and Nepal for educational purposes. **He completed the Senior Academic Leadership Programme (LEAP) at Said Business School, University of Oxford, U.K., & NIEPA New Delhi organized by the MHRD (Ministry of Education) Government of India, the Training Programme on Academic Leadership at MGAHV Wardha under PMMMNMTT, Govt. of India, and the Training Programme on Indian Knowledge System at UGC-HRDC, BHU Varanasi.** Nowadays, after fulfilling his responsibilities as Prant Adhyaksh, he serves as the Prant Palak Meerut Prant and Kshetra Sanyojak (Teacher Education) for the Uttarakhand, Braj, and Paschim Uttar Pradesh of the Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, and Global Advisor of Centre for Narendra Modi Studies (CNMS). He is also a member of several professional and academic bodies, including the Bhartiya Shikshan Mandal, Bhartiya Pragyan Parishad Pragya Pravah, Akhil Bharatiya Itihas Sankalan Yojana, Rashtriya Shaikshik Mahasangha UP, Vidya Bharti Uchcha Shiksha Sansthan, Indian Association of Teacher Educators, Indian Science Congress Association, Indian Social Science Association, All India Association of Teacher Educators, Indian Political Science Association, Global Educational Research Association, Comparative Education Society of India, etc., also a NAAC Peer Team Assessor, VTE member of NCTE, Chairperson of National Educationist Council, Member of World Peace Movement Trust, Ekkakshara Foundation of India, Evaluation Commission IAO, USA, Gandhi Peace Foundation, Nepal and the Executive Alumni of the University of Oxford, England, U.K.

He possesses all the essential qualities for leadership positions in higher education, such as curiosity, passion, focus, a strong network, emotional intelligence, vision, and a willingness to take calculated risks. He is a learned educationist who has achieved versatility in academic accomplishments. His broad knowledge base can be seen through the various academic degrees he has acquired across multiple disciplines, reflecting his appetite for learning. His multidisciplinary educational background, along with his teaching and research experience, provides a solid foundation for developing a university or organization into a dynamic centre of higher learning focused on innovation and skill-building. In addition to his teaching and research, he has extensive experience in institution building and governance, taking a leading role in several higher education institutions. He is an outstanding researcher, holding the highest research degree of D.Litt., and has a significant number of publications, including research papers and books. His ongoing engagement in research on various topics demonstrates his strong work ethic and seriousness in his field of study.

Due to his outstanding contributions to the field of education, society has recognized him as an eminent educationist, evidenced by his numerous awards and accolades. These achievements make him a strong candidate for the position of Vice-Chancellor and other senior roles. His international experience, particularly his participation in the Government of India-sponsored Academic Leadership Development Programme at Oxford University, demonstrates his readiness for a leadership position at a university or commission.